LATE D. B. T GOVT. COLLAGE GURUR

शैक्षणिक भ्रमण सत्र : 2025–26

SUBMITTED BY

KHILESHWARI, TIKESHWARI, RUCHI, TRAYAMBIKA, LOKESHWARI, DEVSHRI, PURNIMA

03 दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण

सत्र 2025–26

भ्रमण स्थल – "विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)"

भ्रमण का दिनांक व दिन – 12–11–2025 से 16–11–2025 (बुधवार से रविवार)

भ्रमण में सम्मिलित विद्यार्थियों की कुल संख्या – 22 (कक्षा– बी. एससी. अंतिम वर्ष)

भ्रमण में सम्मिलित प्राध्यापक–

1. प्रोफेसर एल. हिरवानी (भौतिकी)
2. प्रोफेसर डी. के. रात्रे (गणित)
3. लेक्चरर सुश्री टीना देवांगन (कंप्यूटर)

– भ्रमण स्थल –

❖ प्रथम दिवस – **RK Beach,**
TU-142 Aircraft Museum,
Kursura Submarine Museum,
UH3H Museum,
Sea Harrier Museum

❖ द्वितीय दिवस – कैलाश गिरी,,
तेलुगु सामस्कृतिका निकेतनम्,
तेन्नेति पार्क,
पांडुरंगा स्वामी मंदिर

❖ तृतीय दिवस – इंदिरा गांधी जूलॉजिकल पार्क,
सिम्हाचलम मंदिर

–: शैक्षणिक भ्रमण के उद्देश्य :–

सांस्कृतिक एवं सामाजिक जागरूकता

~ शैक्षणिक भ्रमण से छात्र छात्राओं को विभिन्न प्राकृतिक, ऐतिहासिक, आधुनिक, पौराणिक व सांस्कृतिक, स्थलों की जानकारी प्राप्त करना।

–: प्रयोगात्मक एवं तकनीकी ज्ञान में वृद्धि :–

○ उद्योग, संग्रहालय, अनुसंधान केंद्र या वैज्ञानिक संस्थानों के भ्रमण से आधुनिक तकनीक और उपकरणों की जानकारी प्राप्त करना।

–: राष्ट्रीय चेतना एवं देशभक्ति का विकास :–

○ सैन्य संग्रहालय, ऐतिहासिक स्थल या राष्ट्रीय संस्थानों के भ्रमण से देश के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है।

–: विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच का विकास :–

○ नई परिस्थितियों को देखकर छात्र छात्राओं के द्वारा प्रश्न पूछना, बुद्धि लब्धि (IQ) विश्लेषण करना और निष्कर्ष निकालना सीखते हैं।

–: सामाजिक एवं समूह कार्य कौशल :–

○ समूह में कार्य या यात्रा करने से सहयोग, नेतृत्व, अनुशासन और समय प्रबंधन जैसे गुण विकसित होते हैं।

–: मानसिक ताजगी एवं प्रेरणा :–

~ पुस्तकीय अध्ययन से हटकर नए वातावरण छात्रों में उत्साह, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास बढ़ाता है।

यात्रा की शुरूआत–

हमारे यात्रा की शुरूआत दिनांक 12.11.2025 को हुई। हमारी कक्षा के समस्त छात्र छात्राएँ 3.30 बजे महाविद्यालय में उपस्थित हुए। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय एवं अन्य प्राध्यापकों द्वारा हमें कुछ निर्देश दिए गए एवं यात्रा के लिए शुभकामनाएँ दी गयी। इस यात्रा में हमारे साथ भौतिक शास्त्र एवं गणित के प्राध्यापक भी सम्मिलित थे जो समय समय पर समस्त विद्यार्थियों को उचित निर्देश दे रहे थे। वे सभ विद्यार्थियों को उचित जानकारी देने तथा सुझाव लगातार प्रदान कर रहे थे।

हम 4.30 बजे महाविद्यालय गुरूर से रायपुर के लिए प्रस्थान किए। चूँकि हम लोग रायपुर तक बस में जा रहे थे इसलिए बस में बहुत हंसी ठिठोली मस्ती मजाक करते हुए शाम 6.30 बजे के आसपास रायपुर रेल्वे स्टेशन पर पहुँचे और हमें समय का पता ही नहीं चला। हमारी आगे की यात्रा रेलगाड़ी में होने वाली थी और हमारी रेलगाड़ी का निर्धारित समय 8.10 बजे था। रेल्वे स्टेशन पर हम मित्रों ने अपने याद के लिए अपने अपने मोबाईल फोन पर कुछ तस्वीरें ली और कुछ मित्र मोबाईल पर कुछ ऐच्छिक जानकारियाँ ब्राउजिंग करते हुए अपना समय व्यतीत कर रहे थे। हमारी रेल निर्धारित समय पर पहुँची और हम सब अपनी रेल पर चढ़ गए और हमारी रेल निर्धारित समय पर चल पड़ी।

रेल पर चढ़ने के बाद हमने रात्रि भोजन किया और सभी लोग विश्राम किए। सुबह 7.40 बजे अपने निर्धारित समय पर हम लोग विशाखापट्टनम पहुँच गए और फिर वहाँ से टैक्सी के माध्यम से अपने आरक्षित होटल पर पहुँचे।

–: प्रथम दिवस :–

प्रथम दिवस की हमारी यात्रा के प्रमुख स्थल निम्न थे – रामाकृष्णा समुद्री तट, विमान संग्रहालय, हेलीकॉप्टर संग्रहालय, INS कुरूसुरा पनडुब्बी संग्रहालय, नौसैनिक लघुविमान संग्रहालय प्रमुख थे।

हम सुबह के 9 बजे के आसपास अल्पाहार ग्रहण करने के बाद, सबसे पहले समुद्री तट पर पहुँचे, जो हमारी आरक्षित होटल के, अत्यंत ही समीप, लगभग 100 मीटर की दूरी पर ही स्थित था। हमें समुद्र देखने का अवसर मिला और अति आनंद की अनुभूति हुई। समुद्री लहरों का अनुभव शानदार रहा।

– प्रथम दिवस में दृश्य स्थलों की मुख्य जानकारी –

1. रामकृष्णा समुद्री तट (R. K. BEACH)–

- रामकृष्णा समुद्री तट जिसे वस्तुतः R. K. Beach के नाम से जाना जाता है, यह भारत के पूर्व तटीय राज्य आंध्र प्रदेश के, विशाखापट्टनम शहर में स्थित, एक बहुत ही प्रसिद्ध और सुंदर समुद्री तट है। यहाँ फिल्मों की शूटिंग भी की जाती है।
- यह भारत के बंगाल की खाड़ी का हिस्सा है।

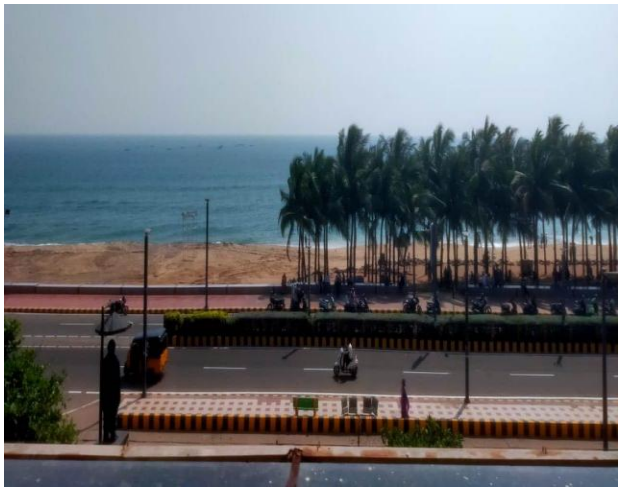

विशेषताएँ–

- ❖ यह तट अपनी सुंदर लहरों, साफ वातावरण एवं सुनहरी रेत के लिए जाना जाता है।
- ❖ सुबह की सैर और शाम की सैर के लिए बहुत प्रसिद्ध है।
- ❖ यहाँ से सूर्योदय का दृश्य बहुत आकर्षक होता है।

गतिविधियाँ–

- टहलना, फोटोग्राफी करना।
- स्थानीय पकवान जैसे मक्का, चाट, आईस्क्रीम इत्यादि का आनंद ले सकते हैं।
- बच्चों के खेलने की जगह है।

सुरक्षा–

- यहाँ समुद्री लहरें तेज होत है इसलिए समुद्र में तैरने/नहाने की एक सीमा निर्धारित की गयी है। अधिक गहराई तक जाने की अनुमति नहीं होती है। सुरक्षाकर्मी तैनात होते हैं।

महत्व–

- रामकृष्णा समुद्री तट (R. K. Beach) विशाखापट्टनम की पहचान है। यह पर्यटन, मनोरंजन, सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है।

2. विमान संग्रहालय (एयरक्राफ्ट म्यूजियम / Aircraft Museum) –

समुद्र तट से सटे हुए मुख्य सड़क के किनारे पर ही स्थित है एक सैन्य संग्रहालय जो कि भारतीय नौसेना के एक वास्तविक विमान क्रमांक TU-142 पर आधारित है। इस विमान TU-142 की मुख्य जानकारी निम्न हैं–

- उद्घाटन– वर्ष 2017 में इसका उद्घाटन हुआ था।
- यह भारतीय नौसेना का एक गश्ती विमान क्रमांक TU-142 है।
- यह एक लंबी दूरी का, पेट्रोल चलित इंजन वाला, मरीनटाइम एयरक्राफ्ट है।
- इसका उपयोग समुद्री निगरानी, पनडुब्बी खोज और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किया गया है।
- लंबे समय तक सेवा लेने के बाद इसे संग्रहालय में परिवर्तित कर दिया गया है।

विशेषताएँ–

- विमान के अंदर जाकर देखने की सुविधा है।
- कॉकपिट, नेविगेशन सिस्टम, और नियंत्रण पैनल देख सकते हैं।
-
- भारतीय नौसेना के अभियानों की लगभग पूर्ण जानकारी उपलब्ध है जिनमें इसका उपयोग किया गया है।
- इसके कई चित्र, मॉडल, और तकनीकी विवरण उपलब्ध है।

उद्देश्य–

- आम नागरिकों को भारतीय सेना की वायुशक्ति से परिचित कराना।
- युवाओं और विद्यार्थियों में देशभक्ति व तकनीकी रूचि विकसित करना।

महत्व–

यह संग्रहालय, भारतीय सैन्य शक्ति, तकनीकी विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतीक है।

3. हेलीकॉप्टर संग्रहालय (Helicopter Museum)–

भारतीय सेना के एक वास्तविक हेलीकॉप्टर पर आधारित यह एक संग्रहालय है। इसे भी इसकी अंतिम योग्य सीमा तक उपयोग करने के बाद संग्रहालय में परिवर्तित किया गया है। यह संग्रहालय भी समुद्री तट से सटे हुए मुख्य सड़क के किनारे पर स्थित है। इसकी मुख्य जानकारी निम्न है–

- उद्घाटन – वर्ष 2018–2019
- हेलीकॉप्टर – हेली चेतक (HAL Chetak)
- यह एक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है।
- इसका उपयोग खोज व बचाव (Search & Rescue) परिवहन एवं प्रशिक्षण में किया जाता है।
- अत्यधिक लंबे समय तक इसकी अंतिम सीमा तक उपयोग के बाद इसे भी संग्रहालय में बदल दिया गया।

इसकी विशेषताएँ–

➢ हेलीकॉप्टर के अंदर जाकर देखने की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है।

➢ कॉकपिट, कंट्रोल सिस्टम, और अन्य उपकरणों की जानकारी प्रदर्शित है।

➢ विभिन्न अभियानों से जुड़े विवरण जिसमें इसका उपयोग किया गया है।

➢ लगभग समस्त शैक्षिक जानकारी उपलब्ध है।

इस संग्रहालय का उद्देश्य–

इस संग्रहालय का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर के आम नागरिकों को भारतीय नौसेना की वायु क्षमता से परिचित कराना और युवाओं में देशभक्ति और तकनीकी रूचि उत्पन्न व विकसित करना है।

शैक्षिक महत्व–

विज्ञान रक्षा और ऍरोनॉटिक्स में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए यह एक उपयोगी भ्रमण है। इससे नौसेना के कार्य और तकनीकी को समझने का अवसर मिलता है।

महत्व–

हेलीकॉप्टर संग्रहालय भारत की सैन्य विरासत और तकनीक प्रगति का प्रतीक है और विशाखपट्टनम शहर के आर. के. समुद्री तट पर आने वाले पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र है।

4. INS कुरूसुरा सबमरीन संग्रहालय–

यह संग्रहालय भारत का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अनोखा और प्रसिद्ध संग्रहालय है। यह संग्रहालय विशाखापट्टनम शहर के समुद्री तट से सटे हुए मुख्य सड़क के किनारे पर स्थित है। इसकी मुख्य जानकारियाँ निम्न हैं–

- इसका पूरा अंग्रेजी में नाम– INS Kurusura Submarine Museum है।
- स्थापना वर्ष – 2001
- यह भारत का पहला पनडुब्बी संग्रहालय है।

INS कुरूसुरा क्या है?

- यह भारतीय नौसेना की एक डीजल इंजन आधारित पनडुब्बी है।
- इसका उपयोग 1970 से 2001 तक देश की समुद्री सुरक्षा सेवा के लिए किया गया है।
- इसकी सेवानिवृत्ति के बाद इसे एक संग्रहालय के रूप में बदल दिया गया है।

विशेषताएँ–

- पनडुब्बी के अंदर जाकर देखने की सुविधा।
- नौसेना के जीवन से जुड़ी जानकारी।
- नियंत्रण कक्ष, इंजन कक्ष, टॉरपीडो सेक्शन।
- सैनिकों के रहने और काम करने की व्यवस्था।

उद्देश्य–

आम नागरिकों को भारतीय नौसेना की शक्ति और तकनीकी से परिचित कराना। युवाओं में देशभक्ति और अनुशासन की भावना जागृत करना।

महत्व–

INS कुरूसुरा पनडुब्बी भारत की समुद्री विरासत और सैन्य गौरव का प्रतीक है।

5. सी हैरियर म्यूजियम (Sea Harrier Museum)–

सी हैरियर म्यूजियम आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम शहर में आर के बीच रोड पर स्थित एक प्रमुख सैन्य विमान संग्रहालय है। यह संग्रहालय भारतीय नौसेना के प्रसिद्ध सी हैरियर फाइटर जेट पर आधारित है।

मुख्य जानकारी–

- पूरा नाम– Sea Harrier Aircraft Museum
- स्थान– आर के बीच रोड, विशाखापट्टनम।
- उद्घाटन– वर्ष 2022
- विमान– BAE Sea Harrier (भारतीय नौसेना का लड़ाकू विमान)

विमान के बारे में–

- यह एक वर्टिकल टेक ऑफ और लैंडिंग (VTOL) करने वाला लड़ाकू विमान है।
- इसका उपयोग भारतीय नौसेना द्वारा एयरक्राफ्ट कैरियर INS विक्रांत और INS विराट से किया जाता रहा है।
- यह समुद्री विमान युद्ध, हवाई रक्षा और हमले करने में सक्षम रहा है।
- वर्ष 1983 से 2016 तक भारतीय नौसेना की सेवा में रहा है।

विशेषताएँ–

- वास्तविक सी हैरियर विमान को सुरक्षित रूप से प्रदर्शित किया गया है।
- विमान के हथियार, इंजन, कॉकपिट, और तकनीक की जानकारी उपलब्ध है।
- भारतीय नौसेना के एविएशन इतिहास से संबंधित विवरण।
- पर्यटकों के लिए विशेषकर विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक जानकारी।

महत्व–

- सी हैरियर म्यूजियम भारत की सैन्य विरासत, तकनीकी क्षमता, और नौसैनिक गौरव का प्रतीक है। और आर के बीच क्षेत्र में एक प्रमुख आकर्षण केंद्र है।

इन सभी जगहों की जानकारी लेते हुए शाम हो चुकी थी। शाम को हम सभी कॉफी शॉप गए और उसके बाद वापस अपने होटल पहूँच गए। शाम के 7 बज चुके थे। करीब 8 बजे सभी ने एक साथ रात्रि भोजन किया और तत्पश्चात् हमारे प्राध्यापकों ने अगले दिन के भ्रमण के लिए कुछ निर्देश दिए। हममें से कुछ लोग रात्रि को भी समुद्र तट पर गए थे। वहाँ पर रात्रि का नजारा भी अलौकिक था। फिर हम सबने रात्रि विश्राम किए। इस प्रकार हमारे भ्रमण के प्रथम दिवस का क्रियाकलाप पूर्ण हुआ।

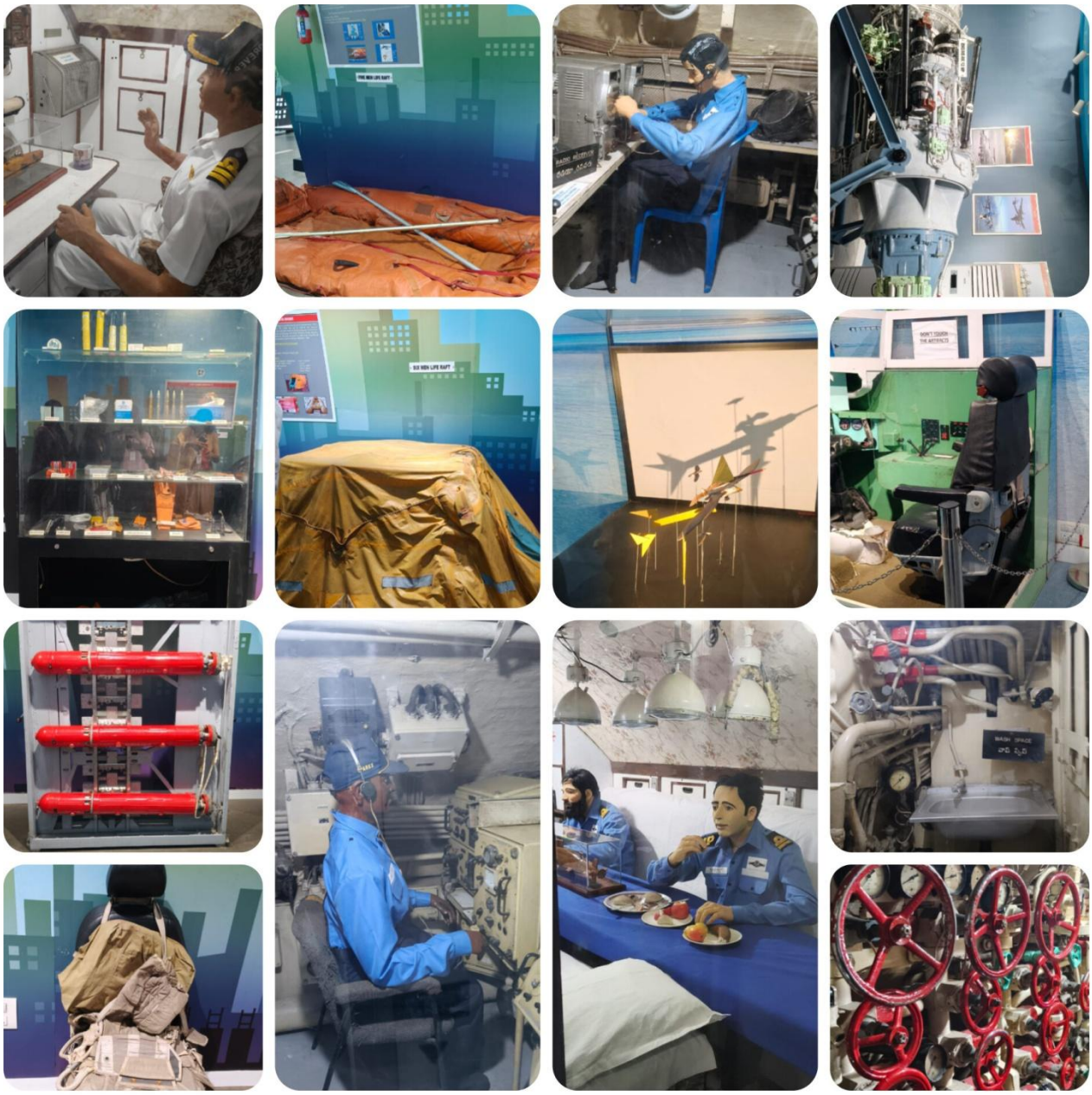

"धन्यवाद"